पर्वत सिंह

[illegible]
(2)

किशनसिंह
अधि. प्र.2
I.d. by me

[illegible]

28/10/24

पत्रावली पेश हुई। अधि. प्रार्थी उप.। प्रकरण में मूल वाद डिग्री किया जा चुका है। मूल वाद डिग्री किये जाने से इस पत्रावली में कोई कार्यवाही शेष नहीं रहती है। अतः प्रकरण को इसी स्तर पर शेष किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।

— निर्णय खुले इजलास सुनाया गया।

Signature Not Verified

Digitally signed by Ramesh Chandra Bahediya
Date: 2025.05.19 12:54:41 IST
Reason: SelfAttested